भारतीय गैर न्यायिक

10000 रु. Rs.10000

दस हजार रुपये

RUPEES TEN THOUSAND

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

हरियाणा HARYANA 016959.

THE SEAL

विक्रय पत्र मुवलिग–14,00,000/–रूपये, स्टाम्प मु0–70,000/–रूपये
दिनांक स्टाम्प 08/07/2013, क्रमांक 3845, जिला खजाना फरीदाबाद ।
मौजा सिरोही, तहसील व जिला फरीदाबाद, नगर निगम की सीमा से बाहर

मैं रहमत वल्द मजीद वल्द उमर खां, निवासी गांव सिरोही तहसील व जिला फरीदाबाद, हरियाणा का हूँ ।

–शेष पृष्ठ 2 पर जारी–

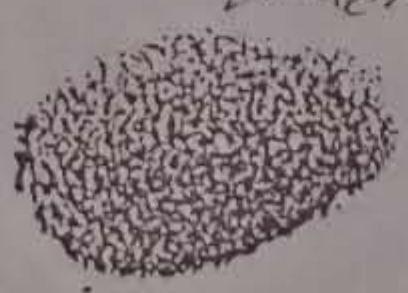

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

दस हज़ार रुपये

RUPEES TEN THOUSAND

Rs.10000

हरियाणा HARYANA

016953

यह कि मांजा सिरोही तहसील व जिला फरीदाबाद, हरियाणा राज्य में स्थित कृषि भूमि खेवट नम्बर 173/159, खतौनी नम्बर 199, साल जमाबन्दी 2004–05, मु0न0 19, कीला नम्बर 25/2/2(0–7) व मु0न0 20, कीला नम्बर 21/2/2(1–18), किता 2, रकबा 2 कनाल 5 मरला (दो कनाल पांच मरला), किस्म चाही, का मैं मालिक व काबिजर बरूवे इन्तकाल तकसीम नम्बर 2229, हूँ । मौका पर मेरा अपना ही कब्जा व काश्त है । यह रकबा हर प्रकार की जेरबारी, देनदारी, जमानत, कर्जा, कुर्की, डिकी, कोर्ट–स्टे, मुकदमेबाजी आदि से पाकसाफ व दोषमुक्त है । मैंने उपरोक्त वर्णित रकबा की बावत किसी अन्य से कोई इकरारनामा आदि नही किया हुआ है । इस रकबा को विकय करने मे कोई अड़चन नहीं है । मुझे इस रकबा को विकय करने का पूरा–पूरा अधिकार प्राप्त है । अब मुझको बराए जरूरयात खानगी धन की जरूरत है, कीमत भी उचित मिल रही है । अतः मैंने खूब सोच समझ कर,

–शेष पृष्ठ 3 पर जारी–

भारतीय गैर न्यायिक

10000 रु. Rs.10000

दस हज़ार रुपये RUPEES TEN THOUSAND

सत्यमेव जयते

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

हरियाणा HARYANA 016954

बिना किसी बहकाव धमकाव के, उपरोक्त वर्णित सालिम रकबा 2 कनाल 5 मरला (दो कनाल पांच मरला), को कुल अधिकारो सहित कुल मुबलिग–14,00,000/–रूपये (मुबलिग चौदह लाख रूपये) में पास श्री विजय जैन सुपुत्र श्री बारूराम निवासी ए–45, चावलां कालोनी, कस्बा बल्लबगढ जिला फरीदाबाद, हरियाणा को विकय कर दिया है यानि बेच दिया है । कुल विक्रय राशि मुबलिग–14,00,000/–रूपये (मुबलिग चौदह लाख रूपये) नकद, खरीददार से प्राप्त कर चुका हूँ । मेरी सालिम विकय राशि वसूल तसलीम है, विकय राशि की बावत मेरा किसी भी प्रकार का कोई भी लेन देन खरीददार की तरफ बकाया नहीं रहा है । कब्जा मौका पर विकीत रकबा का मैंने हर प्रकार से पाकसाफ हालत में हवाले खरीददार कर दिया है । आईन्दा मेरा व मेरे वारसान का कोई भी वास्ता या हक विक्रीत सम्पत्ति से बिल्कुल नहीं होगा । खरीददार मेरी बजाए विक्रीत रकबा का मालिक व काबिज हो गया है । खरीददार को मैंने विकीत रकबा का मालिक व काबिज बना दिया है ।

–शेष पृष्ठ 4 पर जारी–

10000 रु. भारतीय गैर न्यायिक Rs. 10000

10000 रु. Rs. 10000

10000 रु. Rs 10000 दस हज़ार रुपये RUPEES TEN THOUSAND

सत्यमेव जयते

10000 रु. Rs. 10000

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

हरियाणा HARYANA 016555

दाखिल खारिज करा दूँगा या इस दस्तावेज अनुसार दाखिल खारिज कर दिया जाए तो मुझे कोई ऐतराज नहीं होगा । यह रकबा मैंने इससे पहले किसी अन्य को किसी भी रूप में वन्धित या हस्तांतरित नही कर रखी है और ना ही किसी अन्य को किसी भी रूप में वन्धित या हस्तांतरित करने का करार लिखित या जवानी रूप से कर रखा है । यदि इस सम्पत्ति से सम्बन्धित कोई सरकारी या अर्धसरकारी अदायगी बकाया होगी तो उसका मैं देनदार व जिम्मेवार रहूँगा । यदि मेरे टाईटल में कोई नुक्स या जेरवारी निकलेगी या कोई दीगर शक्स दावेदार होगा या कोई गलत ब्यानी निकलेगी या रकबा कुल या जुज अगर खरीददार के कब्जा से निकल जाएगा तो इन सभी सूरतों मे मैं व मेरी दीगर जायदाद व मेरे वारसान व मेरे वारसान की जायदाद समय हर्जा–खर्चा के देनदार व जिम्मेवार होगी । खरचा रजिस्ट्री विक्रय पत्र सब का सब खरीददार ने लगाया है । अतः मैंने खूब सोच समझ कर, बिना

–शेष पृष्ठ 5 पर जारी–

ग्रं.हस्ताक्षर

INDIA NON JUDICIAL

Rs.10000 RUPEES TEN THOUSAND

दस हजार रुपये

हरियाणा HARYANA 016956

-:: 5 ::-

किसी बहकाव व धमकाव के, अपने पूरे होशो हवास में यह विक्रय पत्र लिख दिया है ताकि सनद रहे और समय पर काम आवे । दिनांक– 08 / 07 / 2013

विक्रेताः– श्री रहमत

खरीददारः– श्री विजय जैन

गवाह–1

R. B. SINGH

गवाह–2 फज्जू वल्द मजीद, निवासी सिरोही तहसील व जिला फरीदाबाद ।

Advocate
Distt. Courts, Sec.-12, Faridabad
On Vakalatnama/I Card Attached